दैनिक जागरण रांची, 8 दिसंबर 2016

कैशलेस भुगतान में झारखंड के दुग्ध उत्पादक पहले पायदान पर

शक्ति सिंह, रांची

देश के दुग्ध उत्पादक किसान जहां नकदी के संकट का सामना कर रहे हैं वहीं झारखंड में स्थिति कुछ अलग है। यहां के 14 हजार दुग्ध उत्पादकों को सीधे उनके खाते में भुगतान हो रहा है। झारखंड मिल्क फेडरेशन दूध के बदले दुग्ध उत्पादकों के खाते में ही पैसा डाल रहा है। यही कारण है कि नोट के मौजूदा संकट के दौर में झारखंड के दुग्ध उत्पादक परेशान नहीं हैं बल्कि इस मामले में झारखंड सबसे आगे है।

नहीं हो रहा भुगतान : पांच दिन पहले दिल्ली में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के मिल्क फेडरेशन के एमडी की बैठक बुलाई थी। बैठक में केंद्रीय पशुपालन सचिव देवेंद्र चौधरी ने देश के दुग्ध उत्पादक किसानों को कोई एक माह से दूध का पैसा भुगतान नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई थी।

जल्द खुलवाएं खाता : किसानों को समय पर भुगतान हो इसके लिए पशुपालन सचिव ने सभी मिल्क फेडरेशन को निर्देश दिया है वे दुग्ध उत्पादकों को कैशलेस भुगतान करें। भुगतान में कोई परेशानी न हो इसके लिए वैसे लोगों के खाते जल्द से जल्द खुलवाएं जिनका बैंक खाता नहीं है।

पैसे के बदले चारा : बिहार मिल्क फेडरेशन किसानों को दूध के बदले चारा दें रहा है। दरअसल इन दुग्ध उत्पादकों के बैंक खाते नहीं हैं। खाता न होने से भुगतान का संकट है। पैसे के अभाव में चारा को लेकर परेशानी हो रही थी। इसी संकट को देखते हुए चारा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई।

चारा का संकट : झारखंड छोड़ अन्य राज्यों के किसानों को दूध की राशि नहीं मिलने से उन्हें पशुओं को चारा खिलाने में परेशानी हो रही है। दैनिक जीवन की जरूरतों की पूर्ति में भी परेशानी हो रही है।

केंद्र का एनडीडीबी को निर्देश : केंद्र सरकार ने एनडीडीबी को निर्देश दिया है कि वह भी राज्य के मिल्क फेडरेशन को निर्देश जारी करे कि सभी किसानों को कैशलेस व्यवस्था के तहत भुगतान करे। जिनके खाते नहीं हैं, खाते खुलवाएं।

- 14 हजार किसानों को सीधे खाते में भुगतान कर रहा मिल्क फेडरेशन

झारखंड स्टेट मिल्क फेडरेशन शुरू से ही अपने किसानों को भुगतान कैशलेस कर रहा है। 14000 किसानों को राशि उनके खाते में दी जा रही है। इसी संबंध में एक दिसंबर को दिल्ली में हुई बैठक में अन्य राज्यों को कैशलेस भुगतान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

–बीएस खन्ना, एमडी
झारखंड स्टेट मिल्क फेडरेशन।